

सं 0. 42]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 17, 1998 (आधिशन 25, 1920)

No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 17, 1998 (ASVINA 25, 1920)

इस माग में मिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# MIT IV

## गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन और सुचनाएं Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies.

## LOST

The Government Promissory Note No. BC 1300 to BC 1306 and BC 1307 to BC 1321 of the 9 (nine) per cent loan of Government of India (Relief Bonds 1993) for Rs. 1,00,000/- each, originally standing in the names of

- (1) Natwar Mulchand Parekh and (2) Jayanti Natwar Parekh BC 1300 to 1306 and
- (1) Jayanti Natwar Parekh and (2) Natwar Mulchand Parekh BC 1307 to BC 1321

which were never endorsed to any other person, have been lost. Notice is hereby given that the payment of the above note and the interest thereupon has been stopped at the Public Debt Office, Reserve Bank of India, Byculla, Mumbai-400 008 and that application is about to be made for the issue of duplicate in favour of proprietors. The members of public are cautioned against purchasing or otherwise dealing with the above mentioned securities.

Name of advertiser-Jayanti Natwar Parekh

Residence—23, Satyakamal Colony, Near T. G. Hospital, Talegaon-410 507, Dist. Pune.

Thanking you

Sincerely,

Sd/-

MRS. JAYANTI NATWAR PAREKH 1-290 GI/98

### NOTICE

REGISTERED NU. DI 33001/98

NO LEGAL RESPONSIBILITY IS ACCEPTED FOR THE PUBLICATION OF ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES IN THIS PART OF THE GAZETTE OF INDIA. PERSONS NOTIFYING THE ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES WILL REMAIN SOLELY, RESPONSIBLE FOR THE LEGAL CONSEQUENCES AND ALSO FOR ANY OTHER MISREPRESENTATION ETC.

BY ORDER Controller of Publication

### CHANGE OF NAMES

I, hitherto known as KHAIRATI RAM, S/o Shui VED RAM, resident of G-70, Laxmi Nagar, Deihi-110 092, have changed my name and shall hereafter be known as ANUJ KUMAR BHAII.

It is contified that I have complied with other legal requirements in this connection.

KHAIRATI RAM [Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as NISHEDHAR MACHINDRA ADA-VIPPA S/o NISHEDHAR ADAVIPPA YALLAPPA, employed as 'Regular Mazdoor' in the 'Telecom Department' O/o Commercial Officer Telephones, Ichalkaranji, residing at A/P: Rujapur, Taluka Shirol, Distt. Kolhapur, have changed my name and shall bereafter be known as KAMBLE MACHINDRA ADAVIPPA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NISHEDHAR MACHINDRA ADAVIPPA |Signature (in existing old name)]

I, hishato known as GANESH CHANDRA SINGH S/o Late SEE MAIL LAL SINGH, employed as High Skilled Fitter Gr. I under Sr. DEE TRS/TPKR in the S.E. Rly., EMU Cataled Tikiapara, Dist. Howrah, West Bengal, residing as Block No. A/3, Una No. 9, S.E. The Colony Tikepara, Howsah, W.2.-711 161, have changed my name and shall hereafter be known as GANESH CHANDRA SINGHA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

GANESH CHANDRA SINGH [Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as LALITHA GOPALAKRISHNAN wife of Shri S. V. GOBALAKRISHNAN, employed as Sr. Auditor FAD I Section in the O/o the Accountant General (Audit I). Chennai-18, residing at 13 A, Leonard Street, Royapetiah, Chennai-14, have changed my name and shall hereafter be known as G. K. LALITHASSHREE.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this compection.

LALITHA GOPALAKRISHNAN [Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as ARVINDER PAL SINGH S/o S. JASBIR SINGH, employed as Inspector in the Central Excise Commissionerate, Chandigarh-II, residing at House No. 347, Phase-I, Mohali, Punjab-160 055, have changed my name and shall hereafter be known as ARVINDER PAL SINGH THUKRAI.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

ARVINDER PAL SINGH [Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as SUNDARA MOOLYA. S/o BABU MOOLYA, a Businessman at Mangalore, residing at Bangerahettu House, Adyapady Post & Village, Mangalore Taluk-574 142, Dakshina Kannada District, Karnataka State, have changed my name and shall hereafter be known as SUNDAR B. BANGERA.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection,

SUNDARA MOOLYA [Signature (in existing old name)]

I, hitherto known as BISHU A'DIBASHI S/o Late MANICK ADIBASHI, employed as Exam./Skilled under the Metal & Steel Factory, Ishapore, Ministry of Defence in the IQC/T. No. 101, residing at Jaffarpur, Chalbazar, P.O. Nona Chandanpukur, Dist. 24-Parganas (N), W.B., have changed my name and shall hereafter be known as BISHU ORAON.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

> BISHU ADIBASHI (Signature (in existing old name))

## कीयम्बत्र स्टॉक एक्सचेंज निमिटेड

अन्दंध

विद्यमान अनुच्छेद सं० 11

उप नियतों एवं विनियतों से अन्यया उनवंधित के सिवाय यदि कोई सदस्य एक्सचेंज द्वारा उस पर लिखित नोटिस नातीन करने के दी महीने के भीतर अपने वार्षिक अभिदान, याफ, प्रधार तथा अन्य अन्य अन्याया, जी एकार्वेज या स्वान्यों के प्रधान पृत्र को उपके छारा देव लो, की प्रकार्वेज या स्वान्यों के को उपके छारा देव लो, की प्रकार के लिए जिलिंदिन दिश जा जा के लिए जिलिंदिन दिश जा जा के हैं अप को बहु है ही अरापनी नहीं कि भीतर वह ऐसी अदायमी करने में पूर्व करना है तो परिवाद बारा उसे किसी अतिरिक्त अवलंब के विना निष्कासित किया जा सकता है। संघोधित अनुच्छेद सं० 11

जप नियमों एवं विनियमों में अन्यया उपबंधित के सिवाय, यदि कोई सदस्य एक्सचेंज द्वारा उस पर लिखित नोटिस तामील करने के दो महीने के भीतर अपने वार्षिक अभिदान, शुल्क, प्रधार तथा अन्य धनरागि, जो एक्सचेंज या समागोधन गृह को उसके द्वारा देय हो, की अदायगी करने में चूक करता है तो असे बनुकार सं० 46 के प्रावधानों के अनुकार भूककती चौकित किया भा सकता है।

विद्यमान अनुच्छेव सं० 46 (क)

किसी सदस्य के चूककर्ता घोषित किये जाने के तुरत्त बाद उसकी सदस्यता का अधिकार समाप्त हो जायेगा और वह एक्सचेंज के पास चला जायेगा। चूककर्ता घोषित सदस्य एक्सचेंज की किसी संपत्त या निधि के उपयोग या पर किसी बाबे था. में किसी हित के किसी अधिकारों तथा विशेषधिकारों को खो देगा। यदि परिषद् द्वारा चूक घोषित करने की तारीख से 45 दिनों के भीतर चूक को परिशोधित कर दिया जाना है तो जब तक परिषद् वास्तविक कारणों से अवधि न बढ़ाये, पुनः प्रवेश के लिये उस पर विचार किया जा सकता है। यदि परिषद् द्वारा अनुभोदित अवधि जो परिषद् द्वारा घोषित चूक की तारीख से किसी भी मामल में छह महीने से अधिक नहीं हो सकती है के भीतर चूक को परिशोधित कर दिया जाता है, तो पुनः प्रवेश के लिये उस पर विचार किया जो परिषद् द्वारा धोषित चूक की तारीख से किसी भी मामल में छह महीने से अधिक नहीं हो सकती है के भीतर चूक को परिशोधित कर दिया जाता है, तो पुनः प्रवेश के लिये उस पर विचार किया जा साजा है।

संगोधित अनुच्छेद मं० 46 (क)

किसी सदस्य के चूककर्ता घोषित किये जाने के तुरन्त बाद उसकी सदस्यता का अधिकार समाप्त हो जायेगा और वह एक्सचेंज के पास चला जायेगा। चूककर्ता घोषित सदस्य एक्सचेंज की किसी संपत्ति या निधि के उपयोग या पर किसी बावे या में किसी हित के किसी अधिकार महित एक्स चेंज के सदस्य के रूप में अपने सभी अधिकारों तथा विशेषा-धिकारों को खो देगा। यदि परिषद् द्वारा चूक घोषित करने की तारीख से 45 विनों के भीतर चूक को परिशोधित कर दिया जाता है तो पुनः प्रवेश के लिये उस पर विचार किया जा सकता है। तथापि परिषद बास्तिविक कारणों से पुनः प्रवेश की अवधि दी वर्ष तक बढ़ ने तने पर विचार कर सकती है और रुप 10,000/- का पुनः प्रवेश शृहक/जुर्जाना लगाकर चूककर्ना सवस्य को निभाजिखित शती के अधीन पुनः प्रवेश दे सकती है:

- (क) मदर को 12% नार्षिक की दर से व्याज सहित ए उनेज की अस्ति विदास विदासिकों का निवहान कुरका नाहिया।
- (स) को नह पुष्टि करना हुए अनवी लेखाकार का प्रमाणपद्म प्रस्तृत नरना चाहिये कि किसी भी निवेशक को उससे कोई राशि देय नहीं है।

उपर्युक्त उपबन्ध पहले ही चूककर्सा घोषित सदस्यों या मिंबच्य में चूककर्ता घोषित किये जाने वाले सदस्यों पर लागू होंगे किन्तु ऐसे मामलों में लागू नहीं होंगे जहां सदस्यता किसी बोली लगाने वाले को नीलामी के जरिये पहले ही अन्सरित कर दी गई है जिसे इन विलेखों के अनुसार एक्स-चेंज के सदस्य के रूप में स्वीकार किया गर्मा है। इसके अंतिरिक्त पहले मामले में दो वर्ष की अंबधि या इस अनुक्छेद के शामिल करने तारीख है प्रारम्भ होगी।

## संसोधन के कारण

अनुष्केष सं १ के अमुसार विद कोई संदश्य स्टाक एकंसचें ज को अपने देय राशियों की अदायगी करने में चूक करता है और यदि वह सम्यक नोटिस के बाद मिर्धारित समयं के भीत'र देय राशियों की अदायगी नहीं करता है तो उसे उसकी सदस्यता से निलम्बित किया जा सकता है। यदि वह दो महीने की अतिरिक्त अवधि के भीतर अदावगी करने में अब भी चूक करना है तो उसे परिषद द्वारा निष्कासित किया जा सकता है।

अनुच्छेद सं 16 (क) के अनुसार यदि किसी सदस्य को चूलकर्ना त्रोषित कर दिया जाता है तो उसे परिषद द्वारा चूक घोषित करने की नारीख से छह महीने के भीतर देव गाजिएों की बढ़ायगी करनी होगी।

उपर्युक्त अनु ब्लेंडों के उन्हेंग्यों की सुसंगत अर्थ देने के लिये संभोधित किया गया है क्योंकि अनु ब्लेंड सं 2 11 सदस्यता से िएम्बन तथा निष्कासन की बात करता है जबिक अनु ब्लेंड सं 46 (क) चूक से उत्पन्न स्थिति को नियंक्षित करता है। दोनों ही स्थितियां उस समय उत्पन्न होती है जब सदस्य एक्सचेंज को अपनी देय राशियों की अदायगी करने में चुक करता है।

एसके अलावा उपर्युक्त अनुच्छेदों को अन्य स्टाक एक्स-चेंजों के पैटर्न पर स्टाक एक्सचेंज के निगमन के समय अंगी-कार किया गया था। सदस्यता की नीलामी द्वारा स्टाक एक्स-चेंज को देग राशियों की वसूली करना इसका आधार भूत सिद्धांत था। तथापि विगत पांच वर्षी के दौरान इस परिदृश्य में व्यापक बदलाव आया है। श्रेतीय स्टाक एक्सचेंजों की कार्य पद्धति वुरी तरह प्रभावित हुई है। जंब किसी सदस्य की चूककर्त्ता घोषित कर दिया जाता है उसकी सदस्यता की नीलामी करने की उस सभय कोई गुंबाइश नहीं है। परिणाम स्वम्य स्टाक एक्सचेंज हाल सदस्य की ओर में अबा किया धन गम्लो की जिसी गुंबाइश कि विना ए एक्ट हो आता है। अवा पाएगों की लिये है। परिणाम के प्रभाव की प्रभाव के प्रभाव की प्रभाव की स्वा प्रभाव की प्रभाव की प्रभाव की प्रभाव की स्वा प्रभाव की प्रभाव की प्रभाव की प्रभाव की स्वा प्रभाव की स्वा प्रभाव की अवा स्वा स्वा स्वा है। स्वा अनुच्छेद संव 34 (क)

## संजुकत कारपॉरिट सदस्य

- (क) अनुच्छेद 34 के अन्तर्गत सदस्यता के लिये स्वीकृत कारपोरेट सदस्य इसी प्रकार क्षस्वीकृत एक या अधिक कारपेरेट सदस्यों के समूहन में अचवा एक्सचेंज के वैयक्तिक सदस्य/सदस्यों के समूहन में एक या अधिक कारपोरेट सदस्य स्वयं को एक "संयुक्त कारपोरेट सदस्यों" के रूप में संबद्धित कर सकता है। एक्सचेंज को सूचना और एक्सखेंज द्वारा मान्यता के बाद ऐसे सदस्य को इस अनुच्छेद में इसके परचात् "संयुक्त कारपोरेट सदस्य" के रूप में उल्लिखित किया गेया है।
- (ख) संयुक्त कारपोरेट सवस्य के रूप में स्वयं को संपितित करने वाले एनसर्वेज के सदस्यों को इस अनुक्लेच में इसमें इसके पण्वात "संघटक सदस्य" के रूप में उल्लिखित किया गया है । बगतें कि संघटक सदस्य संयुक्त कारपोरेट सबस्य का मिर्फ एक घटक है और उस एक्सवेंज के स्वतंत्र सदस्य के रूप में तथ तक मान्यता नहीं मिलेगी जब तक ऐसा संघटक सदस्य संयुक्त कारपोरेट सदस्य का घटक बना रहता है।
- (ग) संयुक्त कारपोरेट सदस्य हरेक संघटक संयस्य के संबंध भारतीय प्रतिभृति एवं विस्थिम बोर्ड को देय निशुल्क की अक्षयमी करेगा ।
- (य) उन-अंड (ग) के अवीन, संयुक्त कारपोरेट सदस्य एक्सचेंज के कारपोरेट सदस्य के लिए प्रथा लागू सदस्यता की स्वी कि और सदस्यता के अभिदान के लिए सभी पालता मानदंडों तथा ऐसे अन्य सभी मानदंडों को पूरा करेगा जो एक्सचेंज या भारतीय प्रतिमृति एपं विनियम बोई अमय-समय पर निर्धारित करे ।
- (च) संयुक्त कारपोरेट सदस्य अपने पास संयुक्त कारपोरेट सदस्य में गामिल संघटक सदस्यों की संख्या या किसी सदस्य को दिए जाने वाले ट्रेडिंग टर्मिनलों की संख्या, जो भी अधिक हो, के बराबर ट्रेडिंग टर्मिनल रखने के लिए पाद होगा । संयुक्त कारपोरेट सदस्य के सभी ट्रेडिंग टर्मिनल सिर्फ उसके नाम में न कि किसी संघटक सदस्य के नाम में परिचालित किए जाएंगे।

- (छ) संयुक्त कारपोरेट सबस्य एक्सचैंज को संयुक्त कारपोरेट सबस्य द्वारा लिए गए प्रत्येक ट्रेडिंग टर्मिनलों के लिए प्रवेश शुरुक, सेवा प्रभार, बुनियादी ढाँचा विकास हेतू अभिवान, प्रतिभृति जमा आवि जैसी देय राशियों की अदायगी के लिए वायी होगा। तथापि आधारभूत न्यूनतम पूंजी बनाए रखने के उदेश्य से संयुक्त कारपोरेट सबस्य को एकल सबस्य माना जाएगा और इन अनुच्छवों, नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अन्य उपबंधों और परिषद् द्वारा समय-समय पर नियत शतौं के अनुसार तथा के अध्यक्षीन आधारभूत न्यूनतम पूंजी अदा करने के लिए दायी होगी।
- (ज) संयुक्त कारपोरेट सवस्य की निवल संपत्ति की गणना भारतीय प्रतिभृति एवं विनिमय बोर्ड लया एक्सचेंज की परिषद् द्वारा निर्धारित तरीके से की जाएगी और संयुक्त कारपोरेट सदस्य की निवल संपत्ति की गणना करने के लिए संघटक सदस्यता को कोई मूल्य नहीं दिया जाएगा ।
- (क्र) संयुक्त कारपोरेट सदस्य को एक्सचेंज की परिषद् या किसी अन्य स्थायी समिति में सदस्यता के लिए पान्नता के प्रयोजनार्थ सिर्फ एकल सदस्य माना जाएगा । तथापि एक्सचेंज के सदस्यों की बैठक में मताधिकार के मामले में, संयुक्त कारपोरेट सदस्य उतने मत रखने का हकदार होगा जितने संघटक सदस्य उतमें शामिल हैं।
- (ट) कोई भी संघटक सदस्य संयुक्त कारपोरेट सदस्य के घटक के रूप में अपने समावेश की तरीख से वो वर्ष की अवधि के बाव ही संयुक्त कारपोरेट सदस्य से संबद्ध सदस्यता अधिकार से त्यागपत दे सकता हैं। ऐसे संघटक सदस्य से संबंधित तभी देयताएं, यदि कुछ हैं, संयुक्त कारपोरेट सदस्य की देयता बनी रहेंगी। पूर्वोक्त रूप में त्यागपत पर कोई भी संघटक सदस्य इन अनुच्छेवों, नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अध्य उपबंधों तथा परिषद द्वारा समय-समय पर नियस अतों के अध्यक्षीन रहते हुए इन अनुच्छेवों के अंतर्गत पान किसी व्यक्ति को संयुक्त कारपोरेट सदस्य, जिससे बहु त्यागपत दे रहा है, के संघटक सदस्य के रूप में शामिल करने के लिए एक उम्मीदवार के रूप में नामित कर सकता है और किसी नामांकन के अभाव में संयुक्त कारपोरेट सदस्य गेष संघटक सदस्यों, यदि कुछ हैं, के संबंध में बना रहेगा।
- (ठ) परिवर्धन, विलोपन या संविधान में परिवर्तन द्वारा संयुक्त कारपोरेट सदस्य में शामिल संघटक मदस्यों में किसी फेरफार की सूचना एक्सचेंज को दी जाएगी और ऐसे फेरफार के लिए एक्सचेंज का पूर्वीन पांदन प्राप्त किया जाना चाहिए।
- (छ) संयुक्त कारपोरेट सबस्य को संयुक्त कारपोरेट सबस्य में गाफिन सभी संसटक सबस्यों तथा संयुक्त कारपोरेट सबस्य को अनुसन सभी हैडिस टर्मिनलों के लिए लेखा बहियों का सिर्फ एक सेट रखना होगा।
- (ढ) किमी भी तरह तथा इन अनुच्छेदों या एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के अधीन एक्सचेंज के सदस्य के रूप में उत्पन्त या उपचित होने वाली देयताओं तथा दायित्वों के संबंध में, संयुक्त कारपोरेट सदस्य किसी

विशिष्ट संघटक सदस्य या ट्रेडिंग टर्मिनल से या के कारण ऐसी देशता या वायित्व उत्पन्न होने के बावजूद ऐसीया दायित्व की पूरी सीमा तक वायी तथा उत्तरवायी होगा ।

(ण) संयुक्त कारपोरेट सवस्य के विकस भारतीय प्रति-भृति एवं विनिमय बोर्ड, एक्सचेंज या एक्सचेंज की किसी समिति या अधिकारी की कोई कार्रवाई चाहे वह निदा, चेताबनी, जुर्माना, निलंबन, निष्कासन, चूक या सबस्यता अधिकार के वापस लेने या नियंत्रण के रूप में या अन्यथा हो, संयुक्त कारपोरेट सदस्य के सभी संघटक सदस्यों पर लागू होगी।

स्पष्टीकरण: इस खण्ड के उप-खण्ड (ण) की व्यापकता पर कोई प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना, यह स्पष्ट किया जाता है कि चूक की घोषणा या किसी भी कारण से संयुक्त कारपोन्रेट सबस्य के निलंबन पर संयुक्त कारपोरेट सबस्य अपने सभी संघटक सबस्यों के संबंध में एक्सचेंज का सबस्य नहीं रह पाएगा और सभी संघटक सबस्य तथा ऐसी सबस्यता के संबंध में उनका नामांकन अधिकार एक्सचेंज के इन अनुक्छेबों, नियमों, उप-नियमों तथा विभियमों के उपबंधों के अनुसार एक्सचेंज या परिषद् के पास चले जाएंगे।

- (त) यदि संयुक्त कारपोरेट सदस्य को किसी कारण से एक्सचेंज का सदस्य कने एहने के अधिकार से वंचित या अयोग्य ठहराया गया है तो संयुक्त कारपोरेट सदस्य सभी संघटक सदस्यों के संबंध में एक्सचेंज का सदस्य नहीं रह पाएगा और सभी संघटक सदस्य तथा ऐसी सदस्यता के संबंध में उनके नामांकन अधिकार समाप्त हो जाएंगे और एक्सचेंज के इन अनुच्छेदों, नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के उपबंधों के अनुसार एक्सचेंज या परिषद के पास चले जाएंगे।
- (थ) एक्सचेंज का कोई भी सवस्य एक से अधिक संयुक्त कारपोरेट सवस्य का सघटक सवस्य नहीं बनेगा।
- (व) कारपोरेट सदस्य को लागू एक्सचेंज के अनुच्छेदों, नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों के सभी उपवन्ध एक्सचेंज के इस या अन्य अनुच्छेदों, नियमों, उप-नियमों तथा विनियमों में विशिष्ट रूप से किए गए परिवर्तनों को छोड़कर संयुक्त कारपोरेट सदस्य को यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

## शामिल करने के कारण

संयुक्त कारपोरेट सदस्यों के प्रवेश हेतु उपबन्ध करते हुए एक्सचैंच के संस्था अंतिनयम में अनुच्छेद नं उड़ा प्रामिल करने का प्रस्ताव है जिससे रदस्य शेली हुए। निया एच्य पूजी पर्याप्तता की आवश्यकता को पूरा कर सकें और अधिक साता में ट्रेडिंग के लिए अधिक संसाधन उत्पत्त कर नहें।

कृते कोयम्बद्र स्टॉक एक्सचेंग लि॰

ह०|-वी० देवराजू एक्जीक्यूटिव निदेशक *हे∘ |-*निदेशक

## COIMBATORE STOCK EXCHANGE LIMITED

Annexure

## Existing Article No. 11

Save as otherwise provided in the Bye-laws and Regulations, if a memoer falls to pay his annual subscription, fees charges or other monies which may be due by him to the Exchange or to the Clearing mouse within two months after notice in writing has been served upon him by the Exchange, he may be suspended by the Council until he makes payment and it within a further period of two months he tails to make such payment, he may be expended by the Council without any further recourse.

### Amended Article No. 11

Save as otherwise provided in the Bye-laws and Regulations, if a memoer tails to pay his annual sucception, tees charges or other momes which may be due by him to the Exchange or to the Clearing mouse which two months after notice in writing has been served upon him by the Exchange, he may be declared a detailmer as per the provisions of Article No. 46.

## Existing Article No. 46 (a)

A member's right of membership shall lapse and vest with the exchange immediately he is declared a detailler. The member who is declared a detailler shall lotter all his figures and privileges as a member of the exchange, including any right to use of or any chaim upon or any interest in any property or tunus of the exchange. In case the detailt is recomed within 45 days from the date of default announced by the Council, he can be considered for readmission, unless the council extends the period for bonafule reasons. In case the detailt is reculted within the period approved by the Council, which in no case can exceed six months from the date of default announced by the Council he can be considered for re-admission.

#### Amended Article No. 46 (a)

A member's right of membership shall lapse and vest with the exchange immediately he is declared a defaulter. The member who is declared a defaulter shall forfeit all his rights and privileges as a member of the exchange, including any right to use of or any chaim up o or any interest in any property or runds of the Exchange. In case the default is recinied within 45 days from the date of default announced by the Council, he can be considered for readmission.

However, the Council may consider extending the period of re-aumission to two years for bonaine reasons and re-aumit a defaulted member after imposing a penalty/re-admission ree of Rs. 10,000/- subject to the following conditions:—

- (a) The member should settle all the dues to the Exchange with interest at the rate of 12% p.a.
- (b) He should submit a certificate from a Chartered Accountant confirming that no money is due from him to any investor.

The above provisions will be applicable to the members already declared as defaulters or who may be declared in future, but will not apply to cases where the membership has already been transferred through auction to a bidder who has been admitted as a member of the Exchange in accordance with these presents. Further, in the first instance, the period of two years will start from the date of insertion of this Article.

## Reasons for amendments

As per Article No. 11, if a member fails to pay his dues to the Stock Exchange, he may be suspended from the membership if he fails to clear the dues within the prescribed time after due notice. If he still fails to make the payment within further period of two months, he may be expelled by the Council.

As per Article No. 46(a), once a member is declared a defaulter, he has to clear the dues within six months from the date of default announced by the Council.

The provisions of the above Articles have to be amended to give a harmonious meaning, because Article No. 11 speaks of suspension and expulsion from the membership wh.le Article 46 (a) governs the situation arising out of the default. Both situations arise where a member fails to pay his cues to the Exchange.

Further, the above Articles were adopted at the time of incorporation of the Stock Exchange on the pattern of the provisions of other Stock Exchanges. The underlying principle was to recover the dues to the Stock Exchange by auction of the membership.

However, this sch ario has undergone vast change in the last five years. The working of the Regional Sock Exchanges have been affected seriously. Once a member is declared defaulter, there is at present no scope for auctioning the membership. Consequently, the money paid by the Stock Exchange on behalf of the member stands blocked, without any chance of recovery. Hence it is proposed to grant sufficient time to the members to settle their dues and get-re-admitted to the membership of the Exchange.

#### New Article No. 34A

## Composite Corporate Member

- (a) A corporate member admitted to membership under Article 34 may in combination with one or more corporate members similarly admitted OR one or more corporate member in combination with individual Member/Members of the Exchange may constitute themselves into a "COMPOSITE COR-PORATE MEMBER". Upon intimation to and recognition by the Exchange and such member is here nafter referred to in this Article as "COM-POSITE CORPORATE MEMBER".
- (b) The members of the Exchange constituting themselves into a COMPOSITE CORPORATE MEMBER are hereinafter referred to in this Article as "COMPONENT MEMBER". PROVIDED THAT the COMPONENT MEMBER is only a consiluent of the COMPOSITE CORPORATE MEMBER and shall not be recognised as an independent member of the Exchange so long as such COMPONENT MEMBER continues to be a constituent of the COMPOSITE CORPORATE MEMBER.
- (c) The COMPOSITE CORPORATE MEMBER sh. ll pay fees payable to Securities and Exchange Board of India in respect of each COMPONENT MEMBER.
- (d) Subject to sub-clause (c) a COMPOSITE COR-PORATE MEMBER shall fulfill all eligibility criteria for admission to membership and for contribution of membership as is applicable to a Corporate Member of the Exchange and also such other criteria as the Exchange or Securities and Exchange Board of India may prescribe from time to time.
- (e) A COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall be eligible for as many trading terminals as the member of COMPONENT MEMBERS comprised in the COMPOSITE CORPORATE MEMBER or the number of trading terminals which are given to a member, whichever is more. All trading terminals of a COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall be operated only in its name and not in the name of any COMPONENT MEMBER.
- (f) The COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall be liable to pay dues to the Exchange such as admission fees, service charges, contribution for infrastructure development, security deposit, etc. for each of the Trading terminals taken by the COMPOSITE CORPORATE MEMBER. However for the purpose of the base minimum capital to be maintained, the COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall be treated as a single member and shall be liable to pay the Base Minimum capital in accordance with and subject to the other provisions of these Articles, the Rules, Bye-laws and

- Regulations and such conditions as the Council may from time to time stigulate.
- (g) The net: worth of the COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall be computed in the manner prescribed by the Securities and Exchange Bound of India and the Council of the Exchange and no value shall be assigned to the COMPONENT membership for computing the net worth of the COMPOSITE CORPORATE MEMBER.
- (h) The COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall be treated only as a single member for the purpose of eligibility to membership in the Council or any other Standing Committee of the Exchange. However in respect of the voting rights at the meeting of the members of the Exchange the COMPOSITE CORPORATE MEMBER shalf be entitled to have an many votes as the number of COMPONENT MEMBERS comprised in it.
- (i) Any COMPONENT MEMBER may resign from the membership right associated with a COMPOSTE CORPORATE MEMBER only after a period of two years from the date of his inclusion at a constituent of the COMPOSTE CORPORATE MEMBER. All the liabilities if any relating to such COMPONENT MEMBER, shell continue to be the liability of the COMPOSITE CORPORATE MEMBER. Any COMPONENT MEMBER HER upon resignation as aforesaid may in accordance with and subject to the other provisions of these Articles, Rules, Byolaws, and Regulations and such conditions as the Council may from this to time stipulate, nominate a person eligible under, these Articles as a candidate for admission as COMPONENT MEMBER of the COMPOSITE CORPORATE MEMBER from which his is resigning and in the absolute of interest of the COMPOSITE CORPORATE MEMBER from which his is resigning and in the absolute of interest of the COMPOSITE CORPORATE MEMBER from which his is resigning and in the absolute of interest of the COMPOSITE CORPORATE MEMBER may continue in respect of remaining COMPONENT MEMBERS, if any
- (f) Any variation in the COMPONENT MEMBERS comprised in the COMPOSITE CORPORATE MEMBER by addition; deletion of change of constitution shalf be intimated to the Exchange and the prior approval of the Exchange secured for such variation:
- (k) The COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall be required to maintain only one set of Account Rosks for all the COMPONENT MEMBERS comprised in the COMPOSITE CORPORATE MEMBER and all the trading terminals permitted to the COMPOSITE CORPORATE MEMBER.
- (1) his respect of Habitities and obligations as a memter to the Exchange arising or accroing however and under my provisions of these Articles or the Rules Bre-laws and Regulations of the Exchange, the COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall

- be liable and responsible to the full extent of such liability or obligation, irrespective of any specific COMPONENT MEMBER or trading terminal having caused of given rise to such liability or obligation.
- (m) Any action of the Securities and Exchange Board of India, Exchange or any Commutee or Officials of the Exchange against the COMPOSITE CORPORATE MEMBER whether by way of censure, warning, fine, suspension expulsion, default of withdrawal, or limitation of membership rights or otherwise shall operate against all the COMPONENT MEMBERS of the COMPOSITE CORPORATE MEMBERS.

Clarification: Without prejudice to the generality of sub-clause (m) of this clause, it is clarified that on declaration of default or expulsion of a COMPOSITE CORPORATE MEMBER for any reason whatsoever the COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall cease to be a member of the Exchange in respect of all its COMPONENT MEMBERS, and all the COMPONENT MEMBERS, and their right of nomination in respect of all such members shall vest in the Exchange or the Council in accordance with the provisions of these Articles, the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.

- (n) If COMPOSITE CORPORATE MEMBER is disentified to or disqualified from continuing as a member of the Exchange for any reason, the COMPOSITE CORPORATE MEMBER shall cease to be a member of the Exchange in respect of all the COMPONENT MEMBERS and their rights of nomination in respect of all such memberships shall cease and vest in the Exchange or the Council in accordance with the provisions of these Articles, the Rules, Bye-laws and Regulations of the Exchange.
- (o) No member of the Exchange shall become the COMPONENT MEMBER of more than one COMPOSITE CORPORATE MEMBER.
- (p) All provisions of the Articles, Rules, Bye-laws, and Regulations of the Exchange applicable to a corporate member shall mutatis mutandis apply to a COMPOSITE CORPORATE MEMBER except to the extent specifically varied in this or other Articles, the Rules, Bye-laws or Regulations of the Exchange.

#### Reasons for insertion

It is proposed to insert the Article No. 34A to the Articles of Association of the Exchange providing for admission of Composite Corporate Members to enable members to meet the requirements of higher capital adequacy as stipulated by SEBI and to generate more resources for trading in higher volumes.

V. DEVARAJU
Executive Director
Sd./- ILLBGIBLE
Director
For Coimbatore Stock Exchange Ltd.

SEAL

प्रवेश्यक्षं, कार्रसं सरकार मूच्यामय, फरीयायाय वृत्यास सूचित एवं प्रकाशम निर्वेशक, विश्ली वृत्यास प्रकार्थित, 1988 РЯІНТВО ВУ ТЖК БЫЙАСЯВ, GOVERNMENT और ЖИЙА РЯЙОВ, БАМБАНАВ, АМВ РОМАНЬНО БУ ТЖК СОНТВОЕТИ МУ РОМАКСАТНОМ, ОПЕНЬ 3998